RJ-06

December - Examination 2016

B.A. Pt. III Examination

राजस्थानी भाषा अर साहित्य रो इतिहास

Paper - RJ-06

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : औ प्रश्न पत्र तीन खण्डों में बँट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ा है।

खण्ड – 'अ' **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इस खण्ड रा सगळा सवालां रो पड्डूत्तर दे णौ जरूरी है। सबद सीमा अेक सबद, अेक वाक्य अर अधिकतम 30 सबद है।

1) (i) 'कुवलयमाळा' पोथी रा रचनाकार रौ नाम बतावो।

(ii) ''रामत चौपड़ राज री, है धिक बार हजार'' उपरोक्त ओळी में दोहा छंद रौ कुणसौ भेद नीजर आवै है?

(iii) 'वैणसगाई अलंकार' रा भेदा रा नाम बतावो।

(iv) ब्रासी लिपि रा दोय रूप कुणसा है?

(v) सीताराम लाळस द्वारा विभाजित राजस्थानी साहित्य रै काल विभाजन री विगत मांडो।

(vi) 'बीसलदेव रासो' रा रचनाकार रो नाम लिखो।

(vii) राजस्थान री चांवी कोई दोय अैतिहासिक ख्यातां रा नाम उजागर करो।

(viii) राजस्थानी री प्रकृतिवादी काव्यधारा रा कोई तीन कविया रा नाम दरसावो।

(ix) आधुनिक राजस्थानी महिला कथाकारां रा कोई दोय नाम बतावो।

(x) 'राई रा भाव रात्यूं ई गियरं' कहावत रौ अरथ बतावो।

(खण्ड – ब) **4 × 10 = 40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचै दिया सवालां मांय सू कोई चार सवालां करणा है। सबद सीमा 200 सबद है।

2) मारवाड़ी बोली रौ परिचै दिरावौ।

3) राजस्थानी री व्याकरणगत विसेसतावां में संज्ञा सम्बन्धी विसेसतावां री ओळजांण करावो।

4) वैणसगाई अलंकार रै भेदां नै सोदाहरण स्पष्ट करो।

5) मुड़ियां लिपि री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

6) 'बांकीदास री ख्यात' री विसेसतावां स्पष्ट करो।

7) 'ढ़ोला मारू रा दूहा' रचना पर अेक टीप लिखो।

8) राजस्थानी रै भगती काव्य की प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करावो।

9) लोकसाहित्य अर आभिजात्य साहित्य में अंतर स्पष्ट करो।

(खण्ड – स) $2 \times 20 = 40$

(निबन्धात्मक प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवाल करणा है। सबद सीमा 500 सबद है।

10) राजस्थानी भाषा रौ उद्‌भव अर विकास नै स्पस्ट करो।

11) राजस्थानी दोहा छंद रै भेदां नै सोदाहरण स्पष्ट करो।

12) भगतीकाल री प्रमुख भगती परक रचनावां रौ परिचै दिरावो।

13) राजस्थानी लोकनाट्यां री भांत–भांत विधावां रौ खुलासौ करावो।